No. of Printed Pages/Questions: 13/17

O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Half Yearly Examination (2023 – 2024)

Class: X **MM: 80**

Subject: Hindi **Time: 3.15Hrs.**

Name: ____________________ Class / Section: ________ Roll No.:__________

सामान्य निर्देश :–

(1) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र मुद्रित पृष्ठ 13 हैं।

(2) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न–पत्र में 17 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरु करने से पहले, उत्तर–पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

(4) इस प्रश्न–पत्र में दो खंड हैं– **खंड–'अ'** और **खंड– 'ब'**। **खंड–'अ'** में बहुविकल्पीय / वस्तुपरक और **खंड–'ब'** में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(5) **खंड–'अ'** में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(6) **खंड–'ब'** में कुल 7 प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(7) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(खण्ड 'अ')

(बहुविकल्पीय / वस्तुपरक प्रश्न)

प्र0 1 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– **(1X5=5)**

काम या पेशा खुद बुरा या छोटा–बड़ा नहीं है। कोई भी काम हो जो ईमानदारी से किया जाए और उचित लाभ के अतिरिक्त यदि एक पैसा भी बेईमानी का उसमें नहीं आया तो वह सर्वथा प्रतिष्ठित और सराहना के योग्य है। छोटे–से–छोटा काम भी यदि ईमानदारी के साथ किया जाए तो कभी बुरा नहीं होता। किसी ऊँची बात को लक्ष्य कर किया गया मेहनत का काम जो अपनी ईमानदारी में बट्टा न लगाता हो बुरा नहीं है। जो लेन–देन में पवित्र और शुचि है, नीतिशास्त्रों ने उसी को पवित्र माना है।

हाथ–पाँव आदि अंग जल से शुद्ध और साफ़ होते हैं पर मन केवल सत्य से शुद्ध होता है। मन जिसका दृढ़ है और डिगा नहीं वही अपनी गाढ़ी मेहनत की कौड़ी को अपनी करके मानेगा। बेईमानी से अनुचित लाभ का सोना भी है, तो वह मिट्टी का ढेला मानता है। गाढ़ी मेहनत, ईमानदारी और मुस्तैदी ये तीन बातें रोजगारी / सफलता के लिए बहुत आवश्यक हैं। बहुधा लोग अपनी बदकिस्मती के लिए रोते हैं और पछताते हैं, पर सच पूछो तो बदकिस्मती से उनका इतना नहीं बिगड़ा जितना उनके आलस्य, बेपरवाही और जी लगा के मेहनत न करने से। कहावत है– भौंकता हुआ कुत्ता ज्यादा काम का है, सोते हुए सिंह की अपेक्षा। वास्तव में जो ईमानदार हैं वे अपने जितने काम हैं सबमें स्वच्छता और स्पष्टता रखने में नहीं चूकते और समाज में सभी के विश्वास–पात्र होते हैं।

(i) कोई भी रोजगार और पेशा कब प्रतिष्ठित और सराहना के योग्य हो जाता है ?

(अ) जब वह पूरी ईमानदारी के साथ किया जाए।

(ब) जब वह पूरी मेहनत और लगन के साथ किया जाए।

(स) जब समाज का धनाढ्य वर्ग उससे जुड़ा हो।

(द) जब किसी रोजगार से आर्थिक लाभ अधिक हो।

(ii) 'काम या पेशा खुद बुरा नहीं है'– इसका क्या अभिप्राय है ?

(अ) काम अच्छा–बुरा नहीं होता, उसे करने वाले अच्छे–बुरे होते हैं।

(ब) काम अच्छा–बुरा नहीं होता, लोग बेईमानी से उसे बुरा बना देते हैं।

(स) काम तब तक बुरा नहीं जब तक उसमें आर्थिक लाभ हो रहा हो।

(द) काम तब तक बुरा नहीं जब तक वह परिश्रम से किया जाए।

(iii) हाथ–पाँव की पवित्रता का संबंध यदि जल से है तो मन की पवित्रता का संबंध है–

(अ) ईमानदारी से (ब) गंगाजल से

(स) गाढ़ी मेहनत से (द) सत्य से

(iv) कैसे व्यक्ति बेईमानी से प्राप्त मूल्यवान वस्तु को भी मिट्टी सदृश मानते हैं ?

(अं) दृढ़चित्त (ब) सत्यनिष्ठ

(स) दृढ़ निश्चयी (द) पवित्र हृदय

(v) 'भौंकता हुआ कुत्ता ज्यादा काम का है, सोते हुए सिंह की अपेक्षा'– कहावत का अर्थ है–

(अ) सोते हुए शेर से जागा हुआ कुत्ता श्रेयस्कर है ।

(ब) सोते हुए शेर से भौंकने वाला कुत्ता श्रेयस्कर है ।

(स) सोये हुए योग्य व्यक्ति से जागा हुआ अयोग्य व्यक्ति श्रेयस्कर है ।

(द) सोये हुए योग्य व्यक्ति से धीमी गति से काम करने वाला व्यक्ति श्रेयस्कर है ।

प्र0 2 निम्नलिखित दो काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– (1X5=5)

काव्यांश एक

पारिख के घर में नीम का पेड़ था
छितराई हरियाली अहाते को लगभग घेरे हुए
घर गली से ही पहचाना जाता था
नीम के नीचे पारिख की चारपाई बिछती थी
चारपाई पर पारिख के अलावा
किताबें भी बैठतीं सुस्तातीं
नीम कभी बोलकर कभी चुपके से सूखे पत्ते गिराता था
पत्तों में अटका होता था उसका बचपन
हवा के साथ की गई शरारतें
एक दिन नहीं रहा वह नीम का पेड़
वहाँ आ गईं रोड़ी और रेत
आ गईं ईंटें और सीमेंट वहाँ
बन गया एक घेरा छह बाई आठ फुट का

सजाई गईं जिसमें चार कुर्सियाँ और एक मेज़
कुर्सियों पर पारिख मेज पर किताबें ... ?
पारिख का मन अब कहीं नहीं जाता
घूमता है उसी छह बाई आठ में
उसके चेहरे पर एक परछाईं डोलती है
फीकी लाचार–सी
किताबें देखती हैं उनकी आँखों में दुख झलकता है
पारिख के घर का पता अब लोग
गली में आने–जाने वालों से पूछते हैं।

(i) इस काव्यांश के केंद्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों में सबसे सटीक विकल्प चुनिए – कथन :–

(क) पेड़–पौधों की जगह आधुनिक जीवन में नहीं बची ।

(ख) पेड़–पौधे काटकर मकानों का निर्माण आज की सच्चाई है ।

(ग) भले ही जरूरतवश हम पेड़ों को काट दें लेकिन उनकी कमी हमेशा खलती है ।

(घ) कुर्सी और मेज़ ज़िंदा पेड़ से ज्यादा जरूरी हैं ।

विकल्प :–

(अ) केवल कथन (ग) सही है । (ब) कथन (ख) और (ग) सही हैं ।

(स) कथन (क), (ख) और (ग) सही हैं । (द) कथन (ख), (ग) और (घ) सही हैं ।

(ii) 'घर गली से ही पहचाना जाता था'– का आशय है –

(अ) गली में उसके घर को पहचान के रूप में जाना जाता था।

(ब) गली में उसका घर जाना–पहचाना लगता था।

(स) पेड़ के कारण उसके घर को दूर से ही पहचान लिया जाता था ।

(द) गली में उसके घर को पहचानने वाले रहते थे ।

(iii) नीम के पेड़ की जगह किसने ले ली ?

(अ) रोड़ी और रेत ने

(ब) छह बाई आठ फुट के कमरे ने

(स) ईंटों और सीमेंट ने

(द) चार कुर्सियों और मेज़ ने

(iv) 'पारिख का मन अब कहीं नहीं जाता'– पंक्ति का आशय है–

(अं) पारिख को नीम के पेड़ की याद आती

(ब) बंद कमरे में पारिख को घुटन होती

(स) अब किताबें पढ़ने में पारिख का मन नहीं लगता

(द) पेड़ के साथ पारिख का बचपन भी खो गया

(v) इस काव्यांश से हम सीख सकते हैं –

(अं) पेड़ों की जगह का इस्तेमाल, किताबों से प्रेम, सपने देखना।

(ब) पेड़ों से प्रेम, किताबों को सजाना, जगह का उचित इस्तेमाल

(स) बचपन के बारे में लिखना, पेड़ों के गिर्द घूमना, किताबें पढ़ना

(द) पेड़ों से प्रेम, किताबों की संगति, प्रकृति का संरक्षण

अथवा

काव्यांश दो

उन्होंने बनाए बहुत नीले आसमान
फिर सूरज, चाँद और सितारों को
अलग–अलग जगह रखा
पेड़ इतने हरे बनाए उन्होंने
जितना हरा उन्हें होना चाहिए
या जितने हरे रहे होंगे वे
कभी हमारी धरती पर
फिर पहाड़ों, नदियों और झरनों को
उन्होंने अलग–अलग जगह रखा
उन्होंने मकान, सड़कें और पुल भी बनाए
जिन्हें ईश्वर ने भी नहीं बनाया था कभी
फिर उन्होंने बनाई बसें, स्कूटर और कारें
साइकिल चलाते और पैदल चलते
लोग भी बनाए उन्होंने
चीज़ों को बनाते चले जाने के उत्साह में
इतना ज़्यादा भर गया चित्र
कि गेंद को रखने की कोई जगह ही
नहीं बची चित्र में
तब समझ आया उन्हें
कि बड़ों ने कैसी–कैसी गलतियाँ की हैं
इस दुनिया को बनाने में !

(i) काव्यांश की पंक्ति– 'उन्होंने बनाए'– में 'उन्होंने' शब्द से कवि का संकेत किस ओर है ?

(अं) चित्रकारों ने — (ब) कलाकारों ने

(स) बच्चों ने — (द) विद्यार्थियों ने

(ii) 'पेड़ इतने हरे बनाए उन्होंने–'जितना हरा उन्हें होना चाहिए'– कथन का अभिप्राय है–

(अ) सामान्यतः प्रकृति में पेड़ों को हरा ही होना चाहिए ।

(ब) प्रकृति में संतुलन बना रहने पर पेड़ खूब हरे रहते हैं ।

(स) मनुष्य द्वारा पर्यावरण में छेड़छाड़ किए जाने पर पेड़ों का हरापन नष्ट होता है ।

(द) चित्रों में पेड़ अपने वास्तविक हरेपन के साथ हैं ।

(iii) 'गेंद' रखने की जगह क्यों नहीं बची ?

(अं) आसमान, सूरज, चाँद, झरनों में गेंद ठीक नहीं लगती ।

(ब) मकानों, सड़कों और गाड़ियों की भीड़–भाड़ में गेंद खो जाती ।

(स) उत्साह में बनाए जाने पर चित्र बहुत भर गया और उसमें जगह नहीं थी ।

(द) उत्साह में बनाते जाने की जल्दी में उनसे गलती हो गई ।

(iv) कवि के अनुसार इस दुनिया को किसने बनाया है ?

(अ) ईश्वर (ब) प्रकृति

(स) मनुष्य (द) धरती

(v) 'बड़ों ने दुनिया को बनाने में गलतियाँ कर दीं'– इसका आशय है –

(अं) बड़े भी गलती कर–कर के सीखते हैं ।

(ब) बड़ों ने दुनिया से स्वाभाविकता और बचपना नष्ट कर दिया ।

(स) बड़ों की दुनिया स्वार्थ और ईर्ष्याजन्य स्पर्धा से भरी है ।

(द) बड़ों ने अपनी स्वार्थपूर्ति हेतु बच्चों के लिए खेल के मैदान भी नहीं छोड़े ।

प्र0 3 'रचना के आधार पर वाक्य–भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार चुनकर लिखिए – (1X4=4)

(i) 'न तो तुमने फिल्म ही देखी, न ही नाटक देख सके।'– इस वाक्य का सरल वाक्य होगा–

(अ) तुमने फिल्म भी नहीं देखी, नाटक भी नहीं देख सके ।

(ब) तुमने फिल्म देखना और नाटक देखना दोनों ही काम नहीं किया ।

(स) तुम फिल्म और नाटक दोनों ही नहीं देख सके ।

(द) यद्यपि तुम फिल्म और नाटक दोनों देख सकते फिर भी तुमने नहीं देखे ।

(ii) सड़क पर धक्का लगने से वह गिर पड़ा । प्रस्तुत वाक्य का मिश्र वाक्य होगा –

(अ) वह सड़क पर जा रहा था इसलिए धक्का लगने से गिर पड़ा

(ब) वह गिर पड़ा क्योंकि उसे धक्का लगा ।

(स) जैसे ही उसे सड़क पर धक्का लगा वैसे ही वह गिर पड़ा ।

(द) उसने सड़क पर धक्का खाया और गिर पड़ा ।

(iii) 'जब शुभम सोकर उठा तब सुबह हो गई थी।' प्रस्तुत वाक्य का संयुक्य वाक्य होगा –

(अ) शुभम के सोकर उठने पर सुबह हो चुकी थी ।

(ब) सुबह होने पर शुभम सोकर उठा ।

(स) सुबह हो गई थी इसलिए शुभम सोकर उठा ।

(द) सुबह होने की देर थी, शुभम उठ गया ।

(iv) स्तंभ I और स्तंभ II को सुमेलित करके सही विकल्प चुनकर लिखिए–

	स्तंभ – I		स्तंभ – II
(I)	सरल वाक्य	(क)	जो कमाएगा वही खाएगा।
(II)	मिश्र वाक्य	(ख)	वह कमाएगा और खाएगा।
(III)	संयुक्त वाक्य	(ग)	कमाने वाला ही खाएगा।

(अ) (I) – क (II) – ख (III) – ग

(ब) (I) – ख (II) – क (III) – ग

(स) (I) – ख (II) – ग (III) – क

(द) (I) – ग (II) – क (III) – ख

(v) निम्नलिखित वाक्यों में सरल वाक्य पहचानकर नीचे दिए सबसे सही विकल्प को चुनकर लिखिए–

(क) पक्का महल से मलाई बरफ़ बेचने वाले जा चुके हैं।

(ख) मालिक से यही दुआ है कि फटा सुर न बख्शे।

(ग) बिस्मिल्ला खाँ का संसार सुरीला होना शुरू हुआ।

(घ) रसूलन और बतूलन के गाने पर अमीरुद्दीन को खुशी मिलती थी।

विकल्प–

(अ) केवल कथन (ख) सरल वाक्य है ।

(ब) कथन (क) और (घ) सरल वाक्य हैं ।

(स) कथन (क) और (ग) सरल वाक्य हैं

(द) कथन (क), (ग) और (घ) सरल वाक्य हैं ।

प्र0 4 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार चुनकर लिखिए – (1X4=4)

(i) 'हम सभी सैलानी आगे चलने मं असमर्थ थे।' प्रस्तुत वाक्य का वाच्य पहचानिए–

(अ) कर्मवाच्य (ब) भाववाच्य

(स) कर्तृवाच्य (द) अकर्तृवाच्य

(ii) 'उसने नेपाली बोली सीखी'– वाक्य का कर्मवाच्य होगा–

(अ) उसके द्वारा नेपाली बोली सीखी गई ।

(ब) उसने नेपाली बोली सीख ली ।

(स) उससे नेपाली बोली सीख ली जाएगी।

(द) उससे नेपाली नहीं सीखी जाती है ।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य का उदाहरण नहीं है –

(अं) उससे तो दौड़ा भी नहीं जाता ।

(ब) बूढ़ी काकी से उठा भी नहीं जाता ।

(स) बूढ़े दादू से रोटी भी नहीं खाई जाती ।

(द) रमेश से सोया भी नहीं जाता ।

(iv) निम्नलिखित में से कौन–सा वाक्य कर्तृवाच्य का उदाहरण है ?

(अ) मूर्तिकार द्वारा सबको सूचना दी गई।

(ब) अफसरों से कुछ–का–कुछ बहाना बनाया गया।

(स) चेयरमैन द्वारा आदेश पारित किया गया।

(द) मूर्तिकार पहाड़ों के दौरे पर निकल पड़ा।

(v) स्तंभ I और स्तंभ II को सुमेलित करके सही विकल्प चुनकर लिखिए–

	स्तंभ – I		स्तंभ – II
(क)	गेंदबाज द्वारा फुलटॉस गेंद फेंकी गई।	**(I)**	कर्तृवाच्य
(ख)	भारतीय महिला क्रिकेटरों का प्रदर्शन सराहनीय था।	**(II)**	कर्मवाच्य
(ग)	चोटिल बल्लेबाज़ से दौड़ा नहीं जा सका।	**(III)**	भाववाच्य

(अ) (क) – (I), (ख) –(III) (ग) – (II)

(ब) (क) – (I) (ख) – (II) (ग) – (III)

(स) (क) – (II) (ख) – (I) (ग) – (III)

(द) (क) – (III) (ख) – (II) (ग) – (I)

प्र0 5 'पद–परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार चुनकर लिखिए – (1X4=4)

(i) 'रानी का दर्जी परेशान था कि वे हिंदुस्तान के दौरे पर क्या पहनेंगी'– वाक्य में रेखांकित अंश का पद–परिचय है–

(अ) संबंधबोधक अव्यय (ब) क्रियाविशेषण अव्यय

(स) विस्मयादिबोधक अव्यय (द) समुच्चयबोधक अव्यय

(ii) उसी ज़माने में यह घटना घटी । – रेखांकित अंश का पद परिचय होगा

(अ) सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल।

(ब) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल।

(स) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल।

(द) सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमानकाल ।

(iii) निम्नलिखित में किस वाक्य में सार्वनामिक विशेषण का प्रयोग हुआ है ?

(अ) कौन – कौन घूमने जाएगा ? (ब) बाहर कौन आया है ?

(स) कौन–सी पुस्तक ले आऊँ ? (द) कौन शोर मचा रहा है ?

(iv) 'जाड़े में चारों ओर <u>कुहरा</u> छा जाता है।' रेखांकित शब्द का पद–परिचय है –

(अं) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन (ब) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(स) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन (द) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(v) 'आज के समय में <u>कम</u> लोगों को ही नौकरी मिलती है पर वे भी इस विषय में <u>कम</u> बोलते हैं।'

दोनों वाक्यों के <u>कम</u> का सामान्य पद– परिचय होगा –

(अ) पहला कम – सार्वनामिक विशेषण, दूसरा कम– अनिश्चित संख्यावचाक विशेषण

(ब) पहला कम अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, दूसरा कम अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

(स) पहला कम अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, दूसरा कम अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(द) पहला कम अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, दूसरा कम अनिश्चित परिमाणवाचक क्रिया–विशेषण

प्र0 6 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार चुनकर लिखिए – (1X4=4)

(i) स्तंभ– I और स्तंभ– II का मिलान करते हुए सही विकल्प चुनकर लिखिए –

	स्तंभ – I		स्तंभ – II
(I)	उपमेय में उपमान की संभावना	**(क)**	श्लेष अलंकार
(II)	शब्द के एक से अधिक भिन्न अर्थ	**(ख)**	मानवीकरण अलंकार
(III)	निर्जीव पदार्थों पर मानवीय क्रियाओं और भावों का आरोपण	**(ग)**	उत्प्रेक्षा अलंकार

(अ) (I) – क (II) – ख (III) – ग

(ब) (I) – ग (II) – क (III) – ख

(स) (I) – ख (II) – ग (III) – क

(द) (I) – क (II) – ग (III) – ख

(ii) निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों में कौन–सी काव्य–पंक्ति मानवीकरण अलंकार का उदाहरण है ?

(अ) चरणकमल बंदौ हरि राई ।

(ब) कनक–कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय ।

(स) दुख है जीवन–तरु के फूल

(द) मेघ आए बड़े बन ठन के, सँवर के ।

(iii) 'अंबर में तारे मानो मोती अनगिनत।' – पंक्ति में कौन–सा अलंकार है ?

(अ) उत्प्रेक्षा अलंकार (ब) श्लेष अलंकार

(स) मानवीकरण अलंकार (द) अतिशयोक्ति अलंकार

(iv) 'चंचला स्नान कर आए, चंद्रिका पर्व में जैसे।

उस पावन तन की शोभा, आलोक मधुर थी ऐसे। 'इन काव्य–पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है –

(अ) श्लेष अलंकार (ब) मानवीकरण अलंकार

(स) उत्प्रेक्षा अलंकार (द) अतिशयोक्ति अलंकार

(v) 'पानो गए न ऊबरै, मोती, मानुष, चून।' काव्य–पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है

(अ) श्लेष अलंकार (ब) मानवीकरण अलंकार

(स) उत्प्रेक्षा अलंकार (द) अतिशयोक्ति अलंकार

प्र0 7 निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– **(1X5=5)**

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब उस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग–रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देशभक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है। दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुजरे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है। हालदार साहब का कौतूहल और बढ़ा। वाह भाई क्या आइडिया है। मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है।

(i) जीप कस्बा छोडकर आगे बढ़ गई' अर्थात–

(अ) जीप कस्बे में बिना रुके आगे बढ़ गई। (ब) जीप कस्बे में रुक कर आगे बढ़ गई।

(स) जीप कस्बे में रुक गई। (द) जीप कस्बे में नहीं गई।

(ii) हालदार साहब किसके विषय में सोचते रहे ?

(अ) नेताजी के बारे में (ब) मूर्ति के बारे में

(स) चौराहे के बारे में (द) कस्बे के बारे में

(iii) 'वरना तो देशभक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।' से आशय है–

(अ) आजकल देशभक्त होना संभव नहीं है।

(ब) आजकल देशभक्त होना हास्यास्पद हो गया है।

(स) आजकल सभी देशभक्त हो गए हैं।

(द) आजकल देशभक्ति की प्रासंगिकता नहीं है।

(iv) दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुजरे तो उन्हें मूर्ति में क्या अंतर दिखाई दिया ?

(अ) मूर्ति पर कोई चश्मा नहीं था। (ब) मूर्ति पर पुराना चश्मा था।

(स) मूर्ति पर एक नया चश्मा था। (द) मूर्ति क्षतिग्रस्त थी।

(v) 'नेताजी का चश्मा' पाठ–

(अ) देशभक्ति के भाव पर व्यंग्य करता है।

(ब) देशभक्ति की प्रासंगिकता पर सवाल उठाता है।

(स) देशभक्ति के महत्त्व को स्थापित करता है।

(द) देशभक्ति के प्रति उम्मीद जगाता है।

प्र0 8 गद्य खंड के पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– **(1X2=2)**

(i) 'लखनवी अंदाज' पाठ के नवाब साहब द्वारा लेखक की तरफ उत्सुकता नहीं दिखाई जाने के कारणों को पढ़कर सबसे उचित विकल्प चुनकर लिखिए –

कारण–

(क) दूसरे दर्जे में सफर करते देखे जाने की हिचक रही होगी

(ख) खीरे जैसी साधारण वस्तु के साथ देखे जाने का संकोच

(ग) संभवतः वे भी नई कहानी के विषय में सोचने के लिए एकांत चाहते हों ।

विकल्प–

(अ) इनमें से कोई भी नहीं।

(ब) केवल (क) और (ख)

(स) (क), (ख) और (ग) तीनों।

(द) केवल (ग)

(ii) अपने पुत्र की मृत्यु पर बालगोबिन भगत ने क्या किया ?

(अ) फूल और तुलसीदल बिखरा दिया, कबीर के पद गाए, सबके गले लगकर रोए ।

(ब) फूट–फूट कर रोए, कबीर के पद गाए, दीप जलाया ।

(स) फूल और तुलसीदल नोचकर फेंक दिए, कबीर के पदों को पढ़ना छोड़ दिया, लोगों के साथ गले मिल रोए।

(द) फूल और तुलसीदल बिखरा दिया, शव के सिरहाने दीप जलाया, कबीर के पद गाए।

प्र0 9 निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित दिए गए बहुविकल्पी प्रश्नों से सबसे उचित विकल्प चुनकर लिखिए– (1X5=5)

तब भी कहते हो – कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे – यह गागर रीती।
किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले–
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।
यह विडंबना! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।
भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं।
उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ; मधुर चाँदनी रातों की।
अरे खिल–खिलाकर हँसते होने वाली उन बातों की।
मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते–आते मुसक्या कर जो भाग गया।

(i) अपने बीते हुए जीवन को कवि किस रूप में देख रहा है ?

(अ) विशद और विस्तृत (ब) समृद्ध और सबल

(स) सरल और सामान्य (द) दुखद और करुण

(ii) जीवन–गाथा नहीं सुनाने के पीछे कौन–सा कारण मुख्य है ?

(अं) उनको भय है कि लोग उनकी कमज़ोरियों पर हँसेंगे ।

(ब) विनम्र स्वभाववश अपनी जीवन–कथा को आम आदमी की कथा मानना ।

(स) उनके जीवन के खालीपन से दूसरे सुख पाएँगे ।

(द) उनके जीवन की व्यथा सबको भावुक बना देगी ।

(iii) 'उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ'– पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कि किस गाथा को उज्ज्वल कहा गया है ?

(अं) विगत जीवन की स्मृतियों को

(ब) मित्रों के साथ व्यतीत समय – गाथा को

(स) प्रेयसी / पत्नी के साथ व्यतीत मधुर स्मृतियों को

(द) साहित्यिक गोष्ठियों में की जाने वाली चर्चा को

(iv) 'देखोगे– यह गागर रीती' – पंक्ति में प्रयुक्त 'गागर रीती' से क्या अभिप्राय है ?

(अं) गागर का रिक्त होना
(ब) विशिष्ट उपलब्धियों का न होना

(स) साहित्यिक रचनाओं का न होना
(द) विगत जीवन में सुख का न होना

(v) उपर्युक्त काव्यांश का मुख्य भाव है –

(अ) जीवन के यथार्थ एवं अभाव पक्ष की मार्मिक अभिव्यक्ति

(बं) आत्मकथा न लिखने के कारणों का उल्लेख

(स) मित्रों के मधुर–कटु व्यवहार का उल्लेख

(द) प्रेयसी / पत्नी के साथ व्यतीत मधुर पलों की अभिव्यक्ति

प्र0 10 पद्य खंड के पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए– **(1X2=2)**

(i) सूरदास के पदों के आधार पर उद्धव हैं –

(अ) निर्गुण ब्रह्म के उपासक, कृष्ण–सखा, योग के विरोधी

(ब) सगुण ईश्वर के भक्त, कृष्ण–सखा, योग के प्रचारक

(ब) निर्गुण ब्रह्म के उपासक, कृष्ण–सखा, योग–मार्गी

(क) निर्गुण ईश्वर के विरुद्ध, सगुण–कृष्ण के भक्त, योग–मार्गी

(ii) रघुकुल में किन–किन के प्रति अपनी वीरता का प्रदर्शन नहीं किया जाता ?

(अ) देवता, ब्राह्मण, ईश्वर भक्त और गाय पर

(ब) स्त्रियों, बच्चों, ईश्वर भक्त और गाय पर

(ब) देवता, राजा, वीर योद्धा और स्त्रियों पर

(क) स्त्रियों, बच्चों, राजा और गाय पर

(खण्ड– 'ब')

(वर्णनात्मक प्रश्न)

प्र0 11 गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए– **(2X3=6)**

(क) महानगरों की 'फ्लैट कल्चर' और लेखिका मन्नू भंडारी के 'पड़ोस कल्चर' में क्या अंतर दिखाई देता है ? विचार करते हुए लिखिए।

(ख) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए कि हालदार साहब ने कैप्टन को अपनी आशा के विपरीत कैसे पाया ?

(ग) बालगोबिन भगत के प्रति लेखक क्यों आकृष्ट था ? पाठ के आधार पर किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए ।

(घ) किसके ज्ञान–चक्षु खुल गए और कैसे ? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए।

प्र0 12. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए– (2X3=6)

(क) सूर की गोपियाँ सच्चा राजधर्म किसे बता रही हैं ? उनके अनुसार कृष्ण किस प्रकार राजधर्म का पालन नहीं कर रहे हैं ?

(ख) परशुराम शिव धनुष टूटने पर इतने अधिक क्रोधित क्यों हो गए ? शिव धनुष तोड़ने वाले के प्रति उनकी प्रतिक्रिया क्या थी ? 'राम–लक्ष्मण – परशुराम संवाद' प्रसंग के आधार पर लिखिए ।

(ग) 'अट नहीं रही है' कविता की पंक्ति– 'कहीं साँस लेते हो' का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताइए कि उसका संसार पर क्या प्रभाव पड़ रहा है।

(घ) बादलों से संबंधित किन बिंबों का प्रयोग 'उत्साह' कविता में है ?

प्र0 13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए– (4X2=8)

(क) "बच्चों के सुख–दुख, झगड़े–खेल क्षणिक होते हैं।" – इस कथन का आशय स्पष्ट करते हुए 'माता का अँचल' पाठ के किन्हीं दो उदाहरणों के संदर्भ से इस कथन की सत्यता सिद्ध कीजिए ।

(ख) अनुभूति के स्तर पर जो विवशता होती है, वह बौद्धिक पकड़ से आगे की बात है और उसकी तर्क–संगति भी अलग होती है। लेखक अज्ञेय ने ऐसा क्यों कहा ?

(ग) हिरोशिमा जाने पर लेखक को क्या महसूस हुआ ? हिरोशिमा की घटना पूरी मानव जाति के लिए एक सबक के समान क्यों है ? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

प्र0 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में सारगर्भित अनुच्छेद लिखिए– (6X1=6)

(क) बुजुर्गों के प्रति हमारी जिम्मेदारी

संकेत बिंदु– • हमारे समाज में बुजुर्गों की वर्तमान स्थिति • बुजुर्गों के प्रति वर्तमान स्थिति के कारण • बतौर समुदाय हमारी जवाबदेही • आपके द्वारा बदलाव के कुछ सुझाव

(ख) उम्मीद पर दुनिया कायम

संकेत बिंदु– • जीवन में कठिन दौर और उसका सामना • पराजय और संघर्ष की अनिवार्यता • हार के बाद भी आशा की किरण बने रहना • जब तक उम्मीद है तब तक अंत नहीं

(ग) 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई'

संकेत बिंदु– • दूसरों का हित करना • परहित में क्या–क्या शामिल ? • परहित क्यों धर्म है ? • परहित से लाभ और सुझाव

प्र0 15 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए– (5X1=5)

(क) आपका नाम सौरभ/सुमन है। आप अपने विद्यालय की तरफ से किसी बड़े शहर की शैक्षणिक यात्रा पर गए हैं। यात्रा से लौटकर उसकी जानकारी देते हुए अपनी बड़ी बहन/भाई को पत्र लिखिए।

अथवा

(ख) आप 15/8–बी, क. ख. ग. नगर, रायगढ़ के निवासी रामस्वरूप/राधिका हैं। आपके मोहल्ले में बहुत से आवारा पशु घूमते रहते हैं। उनकी वजह से न सिर्फ मोहल्लेवासियों को कई तकलीफों का सामना करना पड़ता है बल्कि वे पशु भी कई समस्याओं से ग्रस्त रहते हैं। नगरपालिका के अध्यक्ष को पत्र लिखकर इस समस्या की जानकारी दीजिए और उचित कदम उठाने का अनुरोध कीजिए।

प्र0 16. (क) आप चेतन शर्मा/चेतना शर्मा हैं। आप बी0एड0 कर चुके हैं। आपको केंद्रीय विद्यालय संगठन अ0ब0स0 में हिंदी प्रवक्ता पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए आप सचिव को अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। **(5X1=5)**

अथवा

(ख) आप जयंत पाटिल/ जयंती पाटिल हैं। आप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अ0ब0स0 नगर के खाताधारक हैं। आपका ए0टी0एम0 कार्ड खो गया है, उसे ब्लॉक करके नया ए0टी0एम0 कार्ड पाने हेतु शाखा प्रबंधक को लगभग 80 शब्दों में ईमेल लिखिए ।

प्र0 17 (क) जल संकट के प्रति जनता को जागरूक करने के लिए लगभग 60 शब्दों में एक जनहित विज्ञापन तैयार कीजिए । **(4X1=4)**

अथवा

(ख) आप प्रमोद राय/सारिका सिंह हैं और जल्द ही आपके पिताजी की लिखी हुई दसवीं किताब प्रकाशित होने वाली है। उन्हें बधाई और शुभकामना का एक संदेश 60 शब्दों में लिखिए ।

—0—